

खबर संक्षेप

भाषण प्रतियोगिता में दिव्यांशी धनानी ने प्राप्त किया प्रथम स्थान



मण्डला। सेवा संकल्प अभियान के तहत उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में आयोजित जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में निर्मला सीनियर सेकेंडरी स्कूल की कक्षा 12वीं की छात्रा कु. दिव्यांशी धनानी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता में उन्होंने मेरे सपनों का भारत विषय पर प्रभावी विचार प्रस्तुत किए। आयोजित सम्मान समारोह में प्रदेश केबिनेट मंत्री संपतिया उड्डके, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ संजय कुशराम एवं जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी वरकड़े द्वारा दिव्यांशी को सम्मानित किया गया।दिव्यांशी नर्मदा जी वार्ड निवासी भगवानदास पिन्टू धनानी एवं संगीता धनानी की सुपुत्री हैं। उनकी इस सफलता पर सामाजिक जनों एवं शुभचिंतकों ने दिव्यांशी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से पोषण आहार के लिए मिली आर्थिक सहायता

मण्डला। अमाडोंगरी वार्ड क्रमांक-4 निवासी सुलोचना मरावी को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पोषण आहार एवं गर्भावस्था के दौरान आवश्यक पोषण संबंधी जरूरतों के लिए 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। सुलोचना मरावी बताती हैं कि योजना के माध्यम से मिली आर्थिक सहायता से उन्हें गर्भावस्था के दौरान पीछेक आहार की व्यवस्था करने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि सरकार की इस पहल से माताओं को पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में सहयोग मिल रहा है। सुलोचना मरावी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की दिशा में चलाई जा रही ऐसी योजनाएं बहुत उपयोगी हैं।

मारपीट और लापरवाही के मामले में अधीक्षक निलंबित, 8 छात्र निलकासित
मण्डला। मंडला के नैनपुर विकासखंड स्थित राजा शंकर शाह, रघुनाथ शाह छात्रावास पाठासिंहोरा में 21 सितंबर 2026 की रात छात्रों के बीच हुई मारपीट और प्रशासनिक लापरवाही के मामले में विभाग ने सख्त कदम उठाया है। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जारी जांच रिपोर्ट में सागने आया कि घटना की रात चौकीदार इट्टी टी से नदारद था और छात्रावास अधीक्षक श्री अनिल कुमार उड्डके (माध्यमिक शिक्षक) बिना पूर्व सूचना के मुख्यालय से अनुपस्थित थे। इसके अलावा, उन्होंने छात्रों के बीच हुई झड़प की सूचना उच्च अधिकारियों से भी छिपाई। म.प्र. सिविल सेवा नियमों के उल्लंघन पर कड़ा सजा जमाने लेते हुए अधीक्षक अनिल कुमार उड्डके को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

होमगार्ड कर्मों की कोरोना से मृत्यु पर हाईकोर्ट का बड़ा आदेश

परिवार को योजना का लाभ देने के निर्देश

मण्डला। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट, जबलपुर ने कोरोना संक्रमण के दौरान कर्तव्य का निर्वहन करते हुए जान गंवाने वाले होमगार्ड कर्मों के परिवार को मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना का लाभ दिए जाने का महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है।

न्यायमूर्ति मनिंदर एस. भट्टी की एकलपीठ ने WP No. 1881/2022, अर्चना पटेल विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य में 23 सितंबर 2026 को आदेश पारित करते हुए राज्य सरकार को याचिकाकर्ता को योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता

रविंद्रनाथ चतुर्वेदी एवं पार्थ पांडे ने पैरवी की। मामले के अनुसार याचिकाकर्ता के पति होमगार्ड के रूप में कार्यरत थे और कोरोना महामारी के दौरान उन्हें जिला अस्पताल, मंडला में इट्टी पर तैनात किया गया था। इट्टी के दौरान वे कोरोना संक्रमण की चपेट में आए और 18 मई 2021 को उनकी मृत्यु हो गई। जिला अस्पताल, मंडला द्वारा उनके द्वारा कोरोना संक्रमण की रोकथाम से संबंधित इट्टी किए जाने का प्रमाण भी जारी किया गया था।

मृत्यु के बाद पत्नी द्वारा मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना के तहत लाभ के लिए आवेदन किया गया, लेकिन शासन द्वारा यह कहते हुए लाभ देने से इनकार कर दिया गया कि मृतक होमगार्ड मानदेय के आधार पर कार्यरत था और योजना में निर्धारित “eligible government servant” की परिभाषा में शामिल नहीं था।

हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि यह तथ्य विवादित नहीं था कि मृतक होमगार्ड को कोरोना महामारी की रोकथाम से संबंधित इट्टी सौंपी गई थी और जिला अस्पताल, मंडला के प्रमाण-पत्रों से भी इसकी पुष्टि होती है। कोर्ट ने योजना के उद्देश्य पर विचार

करते हुए कहा कि योजना के तहत कोरोना महामारी की रोकथाम में कर्तव्य निभाने वाले कर्मचारियों के आश्रितों को आर्थिक लाभ देने का प्रावधान किया गया था तथा इसमें संविदा, दैनिक वेतनभोगी, तदर्थ एवं आउटसोर्स कर्मचारियों को भी शामिल किया गया था। कोर्ट ने कहा कि भले ही योजना में “मानदेय आधारित कर्मचारी” शब्द का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, लेकिन मृतक द्वारा कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए इट्टी किए जाने का तथ्य प्रमाणित है। इसलिए याचिकाकर्ता को योजना का लाभ देने से इनकार नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने राज्य शासन एवं संबंधित अधिकारियों को मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना के क्लॉज 5.1 के तहत लाभ 60 दिनों के भीतर प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित अवधि में लाभ नहीं दिए जाने पर देय राशि पर 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा। इसके साथ ही याचिका स्वीकार कर दी गई। यह निर्णय कोरोना महामारी के दौरान कर्तव्य निभाने वाले मानदेय आधारित होमगार्ड कर्मियों के परिवारों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

करते हुए कहा कि योजना के तहत कोरोना महामारी की रोकथाम में कर्तव्य निभाने वाले कर्मचारियों के आश्रितों को आर्थिक लाभ देने का प्रावधान किया गया था तथा इसमें संविदा, दैनिक वेतनभोगी, तदर्थ एवं आउटसोर्स कर्मचारियों को भी शामिल किया गया था। कोर्ट ने कहा कि भले ही योजना में “मानदेय आधारित कर्मचारी” शब्द का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, लेकिन मृतक द्वारा कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए इट्टी किए जाने का तथ्य प्रमाणित है। इसलिए याचिकाकर्ता को योजना का लाभ देने से इनकार नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने राज्य शासन एवं संबंधित अधिकारियों को मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना के क्लॉज 5.1 के तहत लाभ 60 दिनों के भीतर प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित अवधि में लाभ नहीं दिए जाने पर देय राशि पर 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा। इसके साथ ही याचिका स्वीकार कर दी गई। यह निर्णय कोरोना महामारी के दौरान कर्तव्य निभाने वाले मानदेय आधारित होमगार्ड कर्मियों के परिवारों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

करते हुए कहा कि योजना के तहत कोरोना महामारी की रोकथाम में कर्तव्य निभाने वाले कर्मचारियों के आश्रितों को आर्थिक लाभ देने का प्रावधान किया गया था तथा इसमें संविदा, दैनिक वेतनभोगी, तदर्थ एवं आउटसोर्स कर्मचारियों को भी शामिल किया गया था। कोर्ट ने कहा कि भले ही योजना में “मानदेय आधारित कर्मचारी” शब्द का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, लेकिन मृतक द्वारा कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए इट्टी किए जाने का तथ्य प्रमाणित है। इसलिए याचिकाकर्ता को योजना का लाभ देने से इनकार नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने राज्य शासन एवं संबंधित अधिकारियों को मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना के क्लॉज 5.1 के तहत लाभ 60 दिनों के भीतर प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित अवधि में लाभ नहीं दिए जाने पर देय राशि पर 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा। इसके साथ ही याचिका स्वीकार कर दी गई। यह निर्णय कोरोना महामारी के दौरान कर्तव्य निभाने वाले मानदेय आधारित होमगार्ड कर्मियों के परिवारों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

करते हुए कहा कि योजना के तहत कोरोना महामारी की रोकथाम में कर्तव्य निभाने वाले कर्मचारियों के आश्रितों को आर्थिक लाभ देने का प्रावधान किया गया था तथा इसमें संविदा, दैनिक वेतनभोगी, तदर्थ एवं आउटसोर्स कर्मचारियों को भी शामिल किया गया था। कोर्ट ने कहा कि भले ही योजना में “मानदेय आधारित कर्मचारी” शब्द का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, लेकिन मृतक द्वारा कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए इट्टी किए जाने का तथ्य प्रमाणित है। इसलिए याचिकाकर्ता को योजना का लाभ देने से इनकार नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने राज्य शासन एवं संबंधित अधिकारियों को मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना के क्लॉज 5.1 के तहत लाभ 60 दिनों के भीतर प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित अवधि में लाभ नहीं दिए जाने पर देय राशि पर 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा। इसके साथ ही याचिका स्वीकार कर दी गई। यह निर्णय कोरोना महामारी के दौरान कर्तव्य निभाने वाले मानदेय आधारित होमगार्ड कर्मियों के परिवारों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

करते हुए कहा कि योजना के तहत कोरोना महामारी की रोकथाम में कर्तव्य निभाने वाले कर्मचारियों के आश्रितों को आर्थिक लाभ देने का प्रावधान किया गया था तथा इसमें संविदा, दैनिक वेतनभोगी, तदर्थ एवं आउटसोर्स कर्मचारियों को भी शामिल किया गया था। कोर्ट ने कहा कि भले ही योजना में “मानदेय आधारित कर्मचारी” शब्द का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, लेकिन मृतक द्वारा कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए इट्टी किए जाने का तथ्य प्रमाणित है। इसलिए याचिकाकर्ता को योजना का लाभ देने से इनकार नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने राज्य शासन एवं संबंधित अधिकारियों को मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना के क्लॉज 5.1 के तहत लाभ 60 दिनों के भीतर प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित अवधि में लाभ नहीं दिए जाने पर देय राशि पर 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा। इसके साथ ही याचिका स्वीकार कर दी गई। यह निर्णय कोरोना महामारी के दौरान कर्तव्य निभाने वाले मानदेय आधारित होमगार्ड कर्मियों के परिवारों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बिछिया पुलिस के नाइट ऑपरेशन में 5 पिकअप वाहनों से 15 मवेशी बरामद

9 आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई

मण्डला। पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन में थाना बिछिया टीम द्वारा थाना प्रभारी बिछिया रंजीत सिंह सैयाम के नेतृत्व में अवैध एवं क्रूरतापूर्वक मवेशी परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। दिनांक 26 एवं 27 सितंबर 2026 की मध्यरात्रि में थाना बिछिया पुलिस द्वारा रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर राष्ट्रीय राजमार्ग में सघन वाहन चेंकिंग की गई। इस दौरान संदिग्ध वाहनों की जांच करने पर पांच अलग-अलग पिकअप वाहनों में मवेशियों का अवैध एवं क्रूरतापूर्वक परिवहन किया जाना पाया गया। पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए कुल 15 मवेशियों एवं परिवहन में



प्रयुक्त 5 पिकअप वाहनों सहित लगभग 36 लाख 35 हजार रुपये का मशरूका जप्त किया गया। मामले में छत्तीसगढ़ के जिला मुंगेली के विभिन्न थाना क्षेत्रों के निवासी कुल 9 आरोपियों के विरुद्ध पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, मध्यप्रदेश कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम एवं मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की गई है। बरामद

सभी 15 मवेशियों को सुरक्षित रूप से कांजीहाउस बिछिया में रखवाया गया है। उनके संरक्षण एवं आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया के संबंध में कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में सड़िन कलौराम उड्डके, प्रधान आरक्षक अनिल मर्सकोले, जितेन्द्र, देवराज वाडिवा, विवेक दुबे, आरक्षक अमृत मेरावी, नीरज मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

श्रीकृष्ण की लीलाओं में रंगा अग्रवाल महिला मंडल, भक्ति में डूबे दर्शक



मण्डला।

अग्रवाल महिला मंडल के स्नेहिल आयोजन में शनिवार को स्थानीय हाल में भव्य एवं भक्तिमय श्रीकृष्ण लीला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण के दौरान पूरा वातावरण कृष्ण भक्ति से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत देवकी विवाह और श्रीकृष्ण जन्म की भावपूर्ण प्रस्तुति से हुई। इसके बाद पूतना वध, बाल कृष्ण-शिव मिलन और नटखट बाल लीला

का सुंदर मंचन किया गया। बाल स्वरूप में कलाकारों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं के माध्यम से भक्ति के साथ-साथ उनके दिव्य स्वरूप और बाल सुलभ चंचलता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

इसके बाद गोवर्धन लीला और रास लीला की मनोहारी प्रस्तुति ने कार्यक्रम में भक्ति और उल्लास का रंग भर दिया। कंस वध के माध्यम से अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया गया। वहीं दशावतार की झांकी ने भगवान के विभिन्न स्वरूपों का सुंदर दर्शन कराया। रुक्मिणी विवाह और सुदामा चरित्र की प्रस्तुतियों ने प्रेम, समर्पण, मित्रता और भक्ति की भावनाओं को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम



में नृत्य प्रस्तुति, चौर हरण तथा श्रीकृष्ण-अर्जुन संवाद ने भी दर्शकों को आकर्षित किया। श्रीकृष्ण-अर्जुन संवाद के माध्यम से कर्म, धर्म और कर्तव्य के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। विभिन्न नृत्य प्रस्तुतियों ने आयोजन में सांस्कृतिक रंग भर दिया और उपस्थितजनों ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

अग्रवाल महिला मंडल की सदस्यों ने पूरे आयोजन में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विशेष आग्रह के अनुरूप अनेक सखियां गोपी स्वरूप में सजकर कार्यक्रम में शामिल हुईं, जिससे आयोजन का वातावरण और भी आकर्षक एवं भक्तिमय हो गया। मंच पर प्रस्तुत प्रत्येक

लीला ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके संदेश के अलग-अलग पहलुओं को दर्शकों के सामने रखा।

अंतिम चरण में मौसल लीला की प्रस्तुति के साथ श्रीकृष्ण की लीलाओं की श्रृंखला का भावपूर्ण समापन हुआ। अग्रवाल महिला मंडल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धा, संस्कृति, भक्ति और मनोरंजन का सुंदर संगम देखने को मिला। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के माध्यम से प्रेम, करुणा, मित्रता, कर्तव्य और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया। उपस्थितजनों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए राधे-राधे और जय श्रीकृष्ण के जयघोष के साथ आयोजन का समापन किया।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का नगर आगमन



शुभचिंतकों को मिला दर्शन पूजा का सौभाग्य

भुआबिछिया। ज्योतिषीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का छत्तीसगढ़ से बायरोड जाते समय बिछिया आगमन हुआ। उनके आगमन से क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। इस पावन अवसर नगर के उनके शुभचिंतकों ने परिवार सहित गुरुमहाराज के दर्शन करने और पूजन-अर्चन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। परमपूज्य गुरुमहाराज के दर्शन और पूजन का अवसर मिलना परिवार के लिए अत्यंत सौभाग्य एवं गौरव का क्षण रहा। उनके आगमन से क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का वातावरण बना रहा इस अवसर पर रमेश पांडेय दीपक पांडेय परी पांडेय वैभव मिश्रा अनुज उपाध्याय सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आंगन मिलन सेवा से घर-घर पहुंच रहा पोषण और स्वास्थ्य का संदेश

डिंडोरी।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में आयोजित 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों को समुदाय से जोड़ने की पहल की जा रही है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य, मातृ-शिशु देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा के प्रति परिवारों को जागरूक करना है। प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस पहल में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, विभागीय अधिकारियों और आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान परिवारों को बच्चों के समुचित पोषण, स्वास्थ्य देखभाल, गर्भवती एवं धात्री माताओं की आवश्यक



देखभाल तथा प्रारंभिक बाल शिक्षा के महत्व की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही

आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध विभिन्न सेवाओं और योजनाओं के बारे में

भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

आंगन मिलन सेवा के तहत परिवारों को आंगनबाड़ी केंद्रों की नियमित गतिविधियों से जोड़ने और समुदाय की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। विभागीय स्तर पर यह प्रयास किया जा रहा है कि पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश केवल केंद्रों तक सीमित न रहें, बल्कि प्रत्येक परिवार तक पहुंचें। अभियान के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों को समुदाय और परिवारों के बीच संवाद एवं सहभागिता के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। इससे महिला एवं बाल विकास से संबंधित सेवाओं की पहुंच और प्रभावशीलता बढ़ाने के साथ बच्चों के समग्र विकास के लिए सामुदायिक सहयोग को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

ग्राम जिमरा के ऋषिकेश झारिया का गणित के सहायक प्राध्यापक पद पर चयन

शहपुरा- मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (पीएससी) द्वारा जारी सहायक प्राध्यापक (गणित) परीक्षा-2024 की मुख्य चयन सूची में तहसील शहपुरा, जिला डिंडोरी के ग्राम जिमरा के ऋषिकेश झारिया का चयन हुआ है। आयोग की ओर से जारी चयन सूची में ऋषिकेश झारिया का नाम क्रमांक 95 एवं अनुक्रमांक 552119 पर दर्ज है। उनका चयन अनुसूचित जाति वर्ग में हुआ है, इनकी प्रारम्भिक शिक्षा प्राथमिक शाला जिमरा एवं नवोदय विद्यालय डिंडोरी से पूरी हुई है। ऋषिकेश के चयन की खबर मिलते ही ग्राम जिमरा सहित संपूर्ण शहपुरा क्षेत्र एवं नवोदय विद्यालय स्टॉफ में हर्ष और उल्लास का माहौल है। ग्राम जिमरा निवासी अमृतलाल झारिया के पुत्र ऋषिकेश ने अपनी मेहनत,

लगन और प्रतिभा के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। सहायक प्राध्यापक (गणित) पद पर चयन की जानकारी सामने आने के बाद पिता अमृतलाल झारिया सहित परिवार में खुशी का माहौल है। ऋषिकेश की सफलता से ग्राम जिमरा में उत्साह का माहौल है। उनके घर पहुंचकर तथा फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से बधाई देने वालों का सिलसिला जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि ऋषिकेश ने अपनी उपलब्धि से ग्राम जिमरा, तहसील शहपुरा और डिंडोरी जिले के साथ झारिया समाज का नाम रोशन किया है। ऋषिकेश की यह सफलता क्षेत्र के विद्यार्थियों और युवाओं के लिए भी प्रेरणादायी मानी जा रही है। ग्रामीणों ने कहा कि निरंतर मेहनत और लक्ष्य के प्रति



समर्पण के दम पर सफलता हासिल की जा सकती है। ऋषिकेश की उपलब्धि से उनके पिता अमृतलाल झारिया सहित परिवार और शुभचिंतकों में खासा उत्साह है। आयोग की चयन सूची जारी होने के बाद बधाई एवं शुभकामनाओं का दौर लगातार जारी है।

अवैध क्लीनिकों पर प्रशासन का शिकंजा, एक सील

शहपुरा। नगर में बिना वैध दस्तावेजों के संचालित हो रहे क्लीनिकों के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। अवैध रूप से क्लीनिक संचालित किए जाने की सूचना पर शहपुरा एसडीएम के निर्देशन में प्रशासनिक टीम ने नगर के दो क्लीनिकों की जांच की। जांच के दौरान एक क्लीनिक को सील कर दिया गया, जबकि दोनों स्थानों से एलोपैथिक दवाइयां, सिरिज और दवाइयों की पर्चियां जब्त की गईं। प्रशासनिक टीम ने शहपुरा तहसीलदार एवं पटवारी की मौजूदगी में दोनों स्थानों का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया। जांच के दौरान संबंधित व्यक्तियों के पास चिकित्सा व्यवसाय के लिए आवश्यक वैध पंजीयन एवं मान्य चिकित्सकीय डिग्री से संबंधित



दस्तावेज नहीं पाए जाने की जानकारी सामने आई। इसके बावजूद मौके पर एलोपैथिक दवाइयां एवं सिरिज मिलीं। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से एलोपैथिक दवाइयां, सिरिज और मरीजों को दी जाने वाली दवाइयों की पर्चियां जब्त कीं। एक क्लीनिक को तत्काल सील

किया गया। एसडीएम फरहान इरफान जमादार ने बताया कि नगर में अवैध क्लीनिक संचालित होने की सूचना मिलने पर दो स्थानों की जांच की गई। जांच में वैध रजिस्ट्रेशन और मान्य चिकित्सकीय डिग्री से संबंधित दस्तावेज नहीं मिले हैं। मौके से दवाइयां और सिरिज

जब्त की गई हैं। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन कर चिकित्सा सेवाएं संचालित करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन की कार्रवाई के बाद बिना वैध दस्तावेजों के चिकित्सा सेवाएं संचालित करने वालों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

आंगनबाड़ी और प्राथमिक स्कूल तक पहुंचने के लिए कीचड़ से गुजरने को मजबूर बच्चे और ग्रामीण

शहपुरा

जनपद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरिया कला के पोषक ग्राम चरौं टोला में सड़क की समस्या ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। गांव नेशनल हाईवे से महज करीब दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, इसके बावजूद आज तक यहां आवागमन के लिए पक्की सड़क नहीं बन सकी है। सबसे गंभीर स्थिति यह है कि इसी मार्ग से आंगनबाड़ी केंद्र और प्राथमिक स्कूल तक बच्चों तथा ग्रामीणों को पहुंचना पड़ता है। बारिश के दिनों में कच्चा रास्ता पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो जाता है। ऐसे में स्कूली बच्चों के साथ ग्रामीणों को भी इसी कीचड़ भरे रास्ते से आवागमन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण को लेकर कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ।



ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत स्तर पर भी सड़क निर्माण को लेकर अब तक कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दी है। शिकायतों के बावजूद सड़क स्वीकृति और निर्माण की दिशा में कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों और बच्चों ने

प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए चरौं टोला की सड़क को तत्काल स्वीकृत कर निर्माण कराया जाए, ताकि बारिश के दिनों में आवागमन की समस्या खत्म हो और बच्चों को स्कूल तथा आंगनवाड़ी तक पहुंचने में परेशानी न हो।

20 साल से त्योहारों पर काम के अतिरिक्त पारिश्रमिक नहीं मिलने का दावा

दीपावली पर बिजली कर्मियों का कामबंद आंदोलन, 6 कंपनियों को नोटिस

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। दीपावली के दौरान बिजली व्यवस्था संभालने वाले हजारों आउटसोर्स कर्मियों के कामबंद आंदोलन की चेतावनी ने बिजली कंपनियों की चिंता बढ़ा दी है। मध्यप्रदेश की छह बिजली कंपनियों में कार्यरत करीब 45 हजार आउटसोर्स लाइन हेल्पर, संयंत्र सहायक, उपकेंद्र एवं संयंत्र कर्मचारी, कंप्यूटर ऑपरेटर, संयंत्र पर्यवेक्षक, मीटर रीडर, सुरक्षा सैनिक, वाहन चालक और चपरासी 7 एवं 8 नवंबर को दो दिन काम नहीं करने की चेतावनी दे रहे हैं। मध्यप्रदेश बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन और विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन ने इस संबंध में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी सहित सभी छह बिजली कंपनियों को औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 22 (1) के तहत कामबंद आंदोलन का नोटिस दिया है। संगठनों का कहना है कि प्रदेश के बिजली आउटसोर्स कर्मियों को वेतन और अन्य सुविधाओं के मामले में दूसरे राज्यों की तुलना में पीछे रखा जा रहा है। उनका आरोप



है कि पिछले दो दशक से वे दीपावली सहित राष्ट्रीय पर्वों पर छुट्टी का अधिकार छोड़कर बिजली आपूर्ति व्यवस्था बनाए रखने में योगदान दे रहे हैं, लेकिन करीब 90 प्रतिशत आउटसोर्स कर्मियों को श्रम प्रावधानों के अनुरूप इन दिनों किए गए काम का अतिरिक्त पारिश्रमिक अब तक नहीं मिला है।

ढेका प्रथा खत्म कर सीधे कंपनियों से वेतन की मांग

बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव एवं विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन के उपाध्यक्ष नरेंद्र भटौरिया ने कहा कि लंबे समय से मांगों की

अनदेखी के कारण कर्मचारियों में असंतोष है। संगठनों ने पंजाब और उत्तर प्रदेश की तर्ज पर ढेका प्रथा समाप्त कर आउटसोर्स कर्मियों को सीधे शासकीय विभागों एवं बिजली कंपनियों से वेतन देने की मांग की है। इसके लिए विधानसभा में आउटसोर्स कार्मिक संबंधी विधेयक पारित करने की मांग भी की गई है।

49 हजार रिक्त पदों पर नियमित करने की मांग

संगठनों ने बिजली कंपनियों में रिक्त पड़े करीब 49 हजार पदों पर योग्यता और वरिष्ठता के आधार पर आउटसोर्स कर्मियों को नियमित करने की मांग की है। उनका कहना है कि छोटे और लघु पद सृजित कर यह व्यवस्था लागू की जा सकती है। इसके साथ ही वर्ष 2023 के भाजपा विधानसभा वचन-पत्र में किए गए प्रावधानों के अनुरूप न्यूनतम वेतन देने, बिजली कंपनियों की नई संगठनात्मक संरचना में समाप्त किए गए 23 हजार पदों को बहाल करने और आउटसोर्स कर्मियों की सेवा आयु 62 वर्ष तक करने की मांग रखी गई है।

जोखिम भत्ता, चिकित्सा अवकाश और दुर्घटना मुआवजा बढ़ाने की मांग

संगठनों ने जोखिमपूर्ण कार्य करने वाले हेल्परों के साथ उपकेंद्र परिचालकों, विद्युत सहायकों, संयंत्र परिचालकों और हेल्परों को जोखिम भत्ता तथा रात्रि पाली भत्ता देने की मांग की है। बिजली बिल वसूली पर 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि, पांच वर्ष से अधिक अनुभवी कर्मियों को प्रतिमाह एक हजार रुपये अतिरिक्त पारिश्रमिक और वर्ष में 10 दिन चिकित्सा अवकाश देने की मांग भी की गई है। विद्युत दुर्घटनाओं में मृत आउटसोर्स कर्मियों के परिजनों को संविदा नियुक्ति देने तथा दुर्घटना में मृत्यु पर मिलने वाली मुआवजा राशि चार लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने की मांग की गई है। प्रत्येक तकनीकी आउटसोर्स कर्मी का 20 लाख रुपये का बीमा बिजली कंपनी से कराने की मांग भी रखी गई है।

शहपुरा और मानिकपुर में सुनी गई 'मन की बात'



शहपुरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 138वें एपिसोड का रविवार को शहपुरा और मानिकपुर क्षेत्र में सामूहिक श्रवण किया गया। शहपुरा में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल के तत्वावधान में वार्ड क्रमांक 7 स्थित श्रीराम मंदिर के बृथ क्रमांक 75 में कार्यक्रम आयोजित हुआ। यहां पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा देश से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्यक्त किए गए विचारों और संदेशों को उपस्थित लोगों ने सुना। कार्यक्रम में स्थानीय कार्यकर्ताओं और हितग्राहियों की सहभागिता रही। इसी तरह मानिकपुर मंडल क्षेत्र में भी भाजपा कार्यकर्ताओं एवं हितग्राहियों ने 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया। स्थानीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नागरिक शामिल हुए। शहपुरा के कार्यक्रम में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद सुरेंद्र साहू, दीपक कछवाहा, ओम साहू, यश कछवाहा, सनी साहू, सुमित साहू, साहिल साहू, अमित साहू, पुनीत साहू, लालू कुशवाहा, नारायण कछवाहा, शारदा कछवाहा, संघा कछवाहा और सुमन कछवाहा सहित अन्य कार्यकर्ता एवं हितग्राही उपस्थित रहे।

गणेश विसर्जन की रात लापता हुआ आदिवासी युवक, जंगल में मिला शव

48 घंटे में हत्या का खुलासा, पांच आरोपी गिरफ्तार

वारदात में इस्तेमाल मोटर साइकिल, ईको कार, कपड़े और अन्य सामान जब्त

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

गणेश विसर्जन के दौरान लापता हुए अनुसूचित जनजाति वर्ग के 22 वर्षीय युवक गोवर्धन कोल की हत्या का जैतहरी पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने पूछताछ में हत्या की वारदात स्वीकार की है। आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त हथियार, वारदात के समय पहने गए कपड़े, मोटरसाइकिल, ईको कार और मृतक का पर्स भी बरामद किया गया है। मामले में अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। पुलिस के अनुसार 23 सितंबर की रात गोवर्धन कोल गणेश विसर्जन के लिए अपने साथियों के साथ घर से निकला था। रात करीब 10 बजे परिजनों को सूचना मिली कि तेजराज राठौर का बेटा सूरज अपने साथियों के साथ गोवर्धन के साथ मारपीट कर रहा है। इसके



बाद परिजनों ने गोवर्धन को तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। अगली सुबह तलाश के दौरान मंडल के बगीचे के पास गोवर्धन की मोटरसाइकिल का टूटा हुआ क्लच केबल और उसकी दोनों चपलें मिलीं। मोटरसाइकिल भी चपलों से करीब एक किलोमीटर दूर मिली। इसके बाद मामले को सूचना जैतहरी पुलिस को दी गई।

जंगल की झाड़ियों में मिला शव

पुलिस ने गुमशुदगी की सूचना के आधार पर मामला दर्ज कर गोवर्धन की तलाश शुरू की। लगातार तलाश के दौरान उसका शव बदनहाई डोंगरी, सिवनी के जंगल में झाड़ियों के बीच मिला। शव मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर मर्ग सूचना दर्ज कर घटनास्थल का निरीक्षण



किया। प्रथम दृष्टया हत्या का मामला सामने आने पर पुलिस अधिकारियों को सूचना दी गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर घटनास्थल पर विधि-विज्ञान प्रयोगशाला के अधिकारियों और श्वान दल को बुलाया गया। घटनास्थल की वीडियोग्राफी कराई गई और मौके का नक्शा तैयार किया गया। मृतक के सिर के पास मिला काले रंग का पैंट और बेल्ट भी जब्त किया गया।

शव का पोस्टमार्टम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतहरी में कराया गया।

पांच संदिग्ध हिरासत में, पूछताछ में खुला राज

पुलिस ने मामले में आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान सूरज राठौर, राहुल सिंह राठौर, तेजराज राठौर, दिनेश गोड और राहुल राठौर, सभी निवासी सिवनी, को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपियों ने वारदात करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार, वारदात के समय पहने गए कपड़े, मोटरसाइकिल, ईको कार और मृतक का पर्स बरामद किया है। सभी पांच आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा के लिए न्यायालय अनूपपुर में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार जांच में हत्या और साक्ष्य छिपाने से संबंधित धाराओं के साथ-

साथ अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंधित प्रावधानों के तहत एससी-एसटी अधिनियम की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। पुलिस ने बताया कि मृतक गोवर्धन कोल अनुसूचित जनजाति वर्ग से था, जबकि आरोपियों में सूरज राठौर पिछड़ा वर्ग के राठौर समाज से संबंधित है। मामले की विवेचना अभी जारी है।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका

पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनूपपुर के मार्गदर्शन में की गई। थाना प्रभारी जैतहरी निरीक्षक गोकुलानंद पाण्डेय, चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक प्रवीण साहू सहित उपनिरीक्षक अमरलाल यादव, सुरेश अहिरवार, जेपीएच तिर्की, मणिराज सिंह, सुरेश कुमार कोरी, जयसिंह, श्रीश्याम शुक्ला सहित पुलिस बल की कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

हर्ष ने शुरू किया नवाचार का सफर

पानी व बिजली की बर्बादी रोकने नवाचार, लोगों को दिया रोजगार

हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। कुछ नया करने की सोच और किसी समस्या का समाधान खोजने का जुनून हो, तो एक छोटा सा विचार भी बड़े बदलाव की शुरुआत बन सकता है। नरसिंहपुर के 24 वर्षीय हर्ष पिता कैलाश श्रीवास्तव की कहानी इसका उदाहरण है। हर्ष ने पानी की बर्बादी और बिजली की अनावश्यक खपत को देखा और इसे कम करने के लिए कुछ करने का फैसला किया। इसी सोच के साथ उन्होंने वर्ष 2022 में स्काइला ग्रुप डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग की शुरुआत की। हर्ष ने बताया कि कई जगह पानी की मोटर चालू करने के बाद समय पर बंद नहीं की जाती थी। इससे टंकी का पानी बाहर बह जाता था और बिजली भी खर्च होती थी। इसी समस्या के समाधान के लिए हर्ष ने वॉटर कंट्रोलर तैयार किया। यह उपकरण टंकी में लगे सेंसर की मदद से पानी के स्तर को पहचानता है। टंकी में पानी कम होने पर मोटर अपने आप चालू हो जाती है और पानी भर जाने पर मोटर स्वतः बंद हो जाती है।

किसानों के लिए बनाया मिनी ऑटो स्विच

हर्ष ने किसानों की समस्या को भी समझा। खेतों में सिंचाई के लिए किसानों को कई बार मोटर चालू और बंद करने के लिए खेत तक जाना पड़ता है। इस



समस्या के समाधान के लिए उन्होंने मिनी ऑटो स्विच तैयार किया। इस उपकरण में किसान अपनी जरूरत के अनुसार मोटर चलाने का समय निर्धारित कर सकते हैं। तय समय पर मोटर अपने आप चालू होती है और निर्धारित समय पूरा होने पर बंद हो जाती है। इससे किसानों का समय, मेहनत और आने-जाने की परेशानी कम होती है। इससे पानी की बर्बादी कम होती है और बिजली की बचत में भी मदद मिलती है।

उद्यम क्रांति योजना बनी सहाय

व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए हर्ष ने वर्ष



14 लोगों को रोजगार मिला है। नरसिंहपुर के साथ इंदौर और जबलपुर में भी उनके कर्मचारी मार्केटिंग का काम कर रहे हैं। हर्ष द्वारा बनाए जा रहे उपकरणों की मांग मध्य प्रदेश के साथ देश के अन्य राज्यों में भी पहुंच रही है। ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से वे अपने उत्पाद अलग-अलग स्थानों पर भेज रहे हैं।

एक विचार से शुरू हुआ सफर

हर्ष की कहानी बताती है कि बदलाव के लिए हमेशा बड़े संसाधनों की जरूरत नहीं होती। एक समस्या को पहचानकर उसका समाधान खोजने की सोच भी उद्यम की शुरुआत बन सकती है। आज हर्ष अपने नवाचार के माध्यम से खुद आगे बढ़ रहे हैं और दूसरे लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी तैयार कर रहे हैं। हर्ष ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना ने उनके सपने को आगे बढ़ाने में आर्थिक सहयोग के साथ आत्मविश्वास भी दिया है।

कंस वध का हुआ आयोजन



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

समीपी ग्राम मुड़िया में 160 साल से ज्यादा पुरानी कंस वध की परंपरा निभाई गई। दशहरे पर रावण दहन की तरह होने वाला यह आयोजन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। कृष्ण और कंस के दल आमने-सामने आए तो पूरा इलाका जयकारों से गुंज उठा। आयोजन से जुड़े डॉ. विवेक सक्सेना और मनीष पटेल ने बताया कि करीब 160 साल पहले गांव में महामारी फैली थी। इससे मुक्ति के लिए ग्रामीणों ने कंस वध की परंपरा शुरू की थी। ग्रामीणों की मान्यता है कि

इसके बाद से गांव में कोई बड़ी आपदा नहीं आई। परंपरा के अनुसार ग्रामीणों ने मिट्टी से कंस की बड़ी मूर्ति तैयार की। इसके मुकुट पर कांस की कलगी लगाई गई थी। आयोजन के दौरान गांव के लोग कृष्ण और कंस के दो दलों में बंट गए। इसके बाद दोनों दलों के बीच सांकेतिक युद्ध शुरू हुआ। कृष्ण और कंस के दलों के बीच करीब 2 से 3 घंटे तक सांकेतिक युद्ध चलता रहा। आखिर में कृष्ण के स्वरूप ने कंस के मुकुट से कांस की कलगी उखाड़कर उसका सांकेतिक वध किया। इसके साथ ही कृष्ण दल की जीत हुई और ग्रामीणों ने जश्न मनाया।

डोभी सहित 25 से अधिक गांवों को मिलेगी सुविधा

तेंदूखेड़ा। विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाला तेंदूखेड़ा से बरमान जाने वाले सड़क के बीच प्रतिष्ठित ग्राम डोभी से सीधी जबलपुर के लिए बस सेवा ना होने की स्थिति में यहां के लोगों को पहले या तो तेंदूखेड़ा आना पड़ता है या फिर बरमान करेली तरफ से बस पकड़ कर जबलपुर जाना पड़ता है। यहां के लोगों ने पुनः बस सेवा शुरू करने की मांग की है। इस क्षेत्र के ग्रामीणों का कहना है कि डोभी से करीब 25 से अधिक गांव जुड़े हुए हैं और बड़ी संख्या में लोगों को इलाज हाईकोर्ट एवं व्यापारिक गतिविधियों अन्य आवश्यक कामों के लिए प्रतिदिन जबलपुर जाना पड़ता है। पूर्व में यहां से सीधी बस सेवा चला करती थी लेकिन लंबे समय से बंद होने के कारण लोगों को निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ रहा है। आर्थिक बोझ के साथ हैरानी परेशानी हुआ करती है। रात्रि में डोभी तरफ आने के लिए तेंदूखेड़ा बरमान तरफ से भी कोई बस सेवा उपलब्ध नहीं है जिससे लोगों को और

ज्यादा परेशानी हुआ करती है। यदि कोई व्यक्ति जबलपुर सागर तरफ जाता है और यदि शाम छ बजे के बाद वापस लौटता है तो उसे अलग से बाहन व्यवस्था करनी पड़ती है। ग्रामीणों ने बताया कि पहले डोभी से जबलपुर के लिए नियमित बस संचालित होती थी जिससे आम नागरिकों मरीजों विद्यार्थियों और व्यापारियों को काफी सुविधा मिलती थी। लेकिन बस सेवा बंद होने के बाद सबसे अधिक परेशानी गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को उठानी पड़ रही है। निजी वाहन या किराए की गाड़ी से जबलपुर जाने में हजारों रुपये खर्च हो जाते हैं, जो हर परिवार के लिए संभव नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि डोभी से भोपाल के लिए वर्तमान में चार बसों का संचालन हो रहा है। जबकि भोपाल की दूरी जबलपुर की तुलना में काफी अधिक है। गंभीर मरीजों को इलाज के लिए अधिकतर जबलपुर के मेडिकल कॉलेज और बड़े अस्पतालों में ले जाना पड़ता है। जबलपुर जाने पर मरीज का इलाज

पं. उपाध्याय की जयंती पर संगोष्ठी आयोजित

हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर नरसिंहपुर विकासखंड स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन मप्र जन अभियान परिषद के अंतर्गत मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के समाज कार्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की कक्षा में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर शिवकुमार रायकवार, मप्र जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक जयनारायण शर्मा, गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गणेश कुमार सोनी, संस्कृत आचार्य शशिकांत मिश्र, पुरुषोत्तम विश्वकर्मा, नवाकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि, वार्ड एवं ग्राम विकास प्रसफुल्ल समितियों के प्रतिनिधि तथा सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। मुख्यवक्ता डॉ. गणेश कुमार सोनी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन, संघर्ष एवं संगठनात्मक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पं. दीनदयाल उपाध्याय का जीवन सादगी, त्याग, संगठननिष्ठा और राष्ट्रसेवा का उदाहरण है। विशिष्ट अतिथि संस्कृत आचार्य श्री शशिकांत मिश्र ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के चिंतन के संदर्भ में चतुष्टयसूत्र- धर्म, अर्थ,



काम और मोक्ष की अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डाला। पुरुषोत्तम विश्वकर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। जिला समन्वयक जयनारायण शर्मा ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए पं. दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता अंकित पटेल ने तथा आभार प्रदर्शन परामर्शदाता श्रीमती वृंदा दीगोली ने व्यक्त किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर नशामुक्ति एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

जबलपुर जाने के लिए नहीं है सीधी बस सेवा

एक ही दिन में कराकर वापस लौटना संभव हो जाता है, जबकि भोपाल जाने पर दूरी अधिक होने से दो दिन या उससे अधिक समय लग जाता है। इससे मरीज और परिजनों को अतिरिक्त आर्थिक एवं मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि बस सेवा शुरू होने से डोभी सहित आसपास के दर्जनों गांवों के हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों, व्यापारियों और मरीजों की आवाजाही आसान होगी तथा निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी। ग्रामीणों ने प्रदेश के परिवहन मंत्री से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए डोभी जबलपुर बस सेवा को शीघ्र पुनः प्रारंभ कराया जाए। उनका कहना है कि यह केवल परिवहन की सुविधा नहीं बल्कि क्षेत्र के लोगों की स्वास्थ्य शिक्षा और आजीविका से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि सरकार उनकी वर्षों पुरानी मांग पर सकारात्मक निर्णय लेकर क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत प्रदान करेगी।

नर्मदा उफान पर - गोटेगांव का झांसीघाट पुल डूबा



गोटेगांव।

जंगलों और ऊपरी इलाकों में हो रही मूसलाधार बारिश के बाद जबलपुर के बरगी डैम के 17 गेट खोल दिए गए हैं। जिससे नरसिंहपुर जिले में नर्मदा नदी रौद्र रूप में है। बरगी बांध के गेट खुलने से नर्मदा का जलस्तर तेजी से बढ़ा और गोटेगांव का झांसीघाट पुल पानी में समा गया। पुल के डूबने से गोटेगांव-जबलपुर मुख्य मार्ग पर आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई है। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं। बिगड़ते हालात को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। नर्मदा के सभी घाटों पर SDERF और होमगार्ड की टीमें तैनात कर दी गई हैं। प्रशासन द्वारा लगातार मुनादी कर ग्रामीणों और श्रद्धालुओं से अपील की जा रही है कि वे निचले घाटों से दूर रहें और नदी में न उतरें, किसी भी प्रकार का जोखिम न उठाएं।

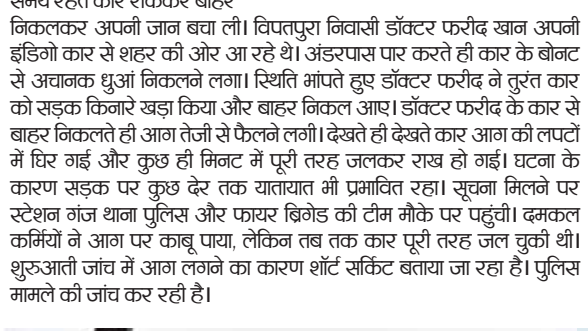


युवक ने घर पर लगाई फांसी, हुई मौत

हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। गत दिवस कोतवाली थाना अंतर्गत खैरानाका निवासी एक युवक ने रस्सी के फंदे से लटककर फांसी लगा ली जिससे युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मिली जानकारी के मुताबिक मयंकराव शिंदे पिता संतोष राव शिंदे उम्र 35 वर्ष निवासी खैरी नाका ने अपने ही घर में वेंटिलेटर से रस्सी के फन्दे से लटक आत्महत्या कर ली। युवक तहसील वाहन स्टैंड में कार्यरत था जिसकी पत्नी अपने दो बच्चों के साथ मायके जबलपुर में रहती थी। वही आज रविवार सुबह जब उसकी मां उसे उठाते गईं तो उसने जब दरवाजे नहीं खोले तो खिड़की से देखने पर वह रस्सी से लटका दिखाई दिया। मां ने परिजनों को सूचना दी पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारा गया मर्ग कायम पंचनामा कार्यवाही कर शव को जिला अस्पताल लाया गया जहां पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

चलती कार में लगी आग

हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। रविवार की सुबह नगर के केंद्रीय जेल के पीछे अंडरपास के पास चलती कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को चपेट में ले लिया और कुछ ही मिनटों में गाड़ी जलकर राख हो गई। गनीमत रही कि वाहन के समय रहते कार रोककर बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। विपतपुरा निवासी डॉक्टर फरीद खान अपनी इंडिगो कार से शहर की ओर आ रहे थे। अंडरपास पर करते ही कार के बोनट से अचानक धुआं निकलने लगा। स्थिति गांभते हुए डॉक्टर फरीद ने तुरंत कार को सड़क किनारे खड़ा किया और बाहर निकल आए। डॉक्टर फरीद के कार से बाहर निकलते ही आग तेजी से फैलने लगी। देखते ही देखते कार आग की लपटों में घिर गई और कुछ ही मिनट में पूरी तरह जलकर राख हो गई। घटना के कारण सड़क पर कुछ देर तक यातायात भी प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर स्टेशन गंज थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पथा, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।



नर्मदा में बढ़ा जल स्तर प्रशासन अलर्ट

हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। बरगी बांध के 17 गेट खुलने के बाद नर्मदा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। रविवार को जलस्तर 7 से 8 फीट तक बढ़ गया। बढ़ते पानी का असर नर्मदा के तटवर्ती और निचले इलाकों में दिखाई दे रहा है। नर्मदा का जलस्तर बढ़ने से नरसिंहपुर-जबलपुर मार्ग स्थित झांसीघाट पुल पर पानी आ गया। सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने पुल से आवागमन बंद कर दिया है। पुल पर पानी आने के बाद दोनों जिलों के बीच यातायात प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने लोगों से झांसीघाट पुल की ओर नहीं जाने की अपील की है। नर्मदा के किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने की हिदायत दी गई है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन लगातार हालात पर नजर रख रहा है। तटवर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था पर भी निगरानी की जा रही है।

योगासन चैपियनशिप 2026 का आयोजन



हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। गत दिवस जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा जिला स्तरीय जूनियर सब जूनियर बालक बालिका योगासन चैपियनशिप 2026 का आयोजन सचिन तिवारी संयुक्त सचिव म प्र योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के मुख्य आतिथ्य में एस. के. चतुर्वेदी जिला अध्यक्ष, जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्षता में प्रमनारायण पटेल जिला उपाध्यक्ष, दीपक चैबे जिला सचिव जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन नरसिंहपुर, रोहित कीर, योग प्रशिक्षक एवं मैडम वंदना योग प्रमारी पी एस. श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बोहानी के विशिष्ट आतिथ्य में पीएस श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बोहानी में किया गया। जिसमें अतिथियों द्वारा चयनित प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं मेडल प्रदान कर शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई। अंत में जवाहर नवोदय विद्यालय परिवार द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ प्रतियोगिता संपन्न हुई।

नर्मदा स्नान के बाद किया तर्पण और श्राद्ध



हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। जिले के बरमान में पितृपक्ष की शुरुआत के साथ रविवार सुबह से ही नर्मदा तट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने नर्मदा में स्नान किया और पितरों की आत्मशान्ति के लिए धार्मिक अनुष्ठान किए। सुबह से ही घाट पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। नर्मदा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने विधि-ध्यान से तर्पण, श्राद्ध, पूजा-पाठ और दान-पुण्य किया। घाट पर पंडितों ने मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक अनुष्ठान करवाए। श्रद्धालुओं ने अपने दिवंगत परिजनों को याद करते हुए पितरों के निमित्त पूजा-अर्चना की। पितृपक्ष करीब 15 दिनों का विशेष समय होता है। इस दौरान पूर्वजों को श्रद्धांजलि देने के लिए तर्पण, श्राद्ध और दान-पुण्य किया जाता है। आने वाले दिनों में बरमान नर्मदा तट पर श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। वही स्थानीय क्षेत्रों में भी सामूहिक तर्पण कराया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित

हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 28 सितंबर को जिले में विभिन्न विभागों द्वारा जनहित, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य एवं जनजागरूकता से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत जिले के विभिन्न स्थानों पर विभागीय स्तर पर निर्धारित गतिविधियां आयोजित होंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जिले के समस्त छात्रवासों में योग, ध्यान एवं व्यायाम संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

पालकी में निकले पथरिया कुआं के गणपति राजा, नम आंखों से दी विदाई

गोटेगांव।

नवयुवक गणेश उत्सव समिति पथरिया कुआं द्वारा स्थापित गणपति बप्पा का शनिवार को भव्य विसर्जन किया गया। इस अवसर पर गणपति राजा पालकी में सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले। डोल-नगादों और रणगणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आर के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने नम आंखों से बप्पा को विदाई दी। विसर्जन यात्रा पथरिया कुआं से प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गों से होते हुए विसर्जन स्थल तक पहुंची रास्ते भर भक्तों ने फूल-माला और गुलाल से स्वागत कर आरती की। समिति के सदस्यों ने बताया कि 10 दिनों तक गणेश पंडाल में पूजा-अर्चना, आरती और भंडारे का आयोजन किया गया था, जिसमें नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

